5.00 P.M.

STATEMENTS BY MINISTERS

Explosion on 2391, Shramjeevi Express on 28th July, 2005

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद): महोदय, 28.7.2005 को लगभग 5.27 बजे शाम उत्तर प्रदेश राज्य में उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के जौनपुर-सुल्तानपुर सैक्शन में हरपालगंज और कोइरीपुर रेलवे स्टेशनों के बीच 2391 राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस में हुए विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में, मैं अत्यंत दु:ख के साथ सदन को जानकारी दे रहा हूं।

जब यह गाड़ी उक्त दो स्टेशनों के बीच चल रही थी, उस समय इस गाड़ी के जनरल डिब्बे में यह विस्फोट हुआ जिसमें 9 यात्रियों की जानें गईं, 16 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए और 45 यात्रियों को मामूली चोटें आई। एक यात्री ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, दूसरे यात्री की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई और 7 यात्रियों की बदलापुर अस्पताल में मृत्यु हो गई। घायल यात्रियों को वाराणसी एवं जौनपुर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही वाराणसी, फैजाबाद और लखनऊ से रेलवे डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की टीमों के साथ दुर्घटना राहत चिकित्सा यान (Accident Relief Cum Medical Vans) घटना स्थल के लिए रवाना कर दिए गए। लखनऊ और वाराणसी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी अपने डाक्टरों और आवश्यक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के दल के साथ तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना हो गए।

घटना स्थल पर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए मैं भी अविलंब घटना स्थल पर पहुंच गया। नई दिल्ली से रेल राज्य मंत्री श्री नारनभाई रठवा, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, रेल सुरक्षा बल के महानिदेशक और रेलवे स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक भी घटना स्थल पर पहुंचे। हम घायलों का हालचाल पूछने के लिए अस्पतालों में गए और घटना स्थल का भी मुआयना किया।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर परिमंडल इस घटना की वैधानिक जांच करेंगे। राज्य पुलिस के फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटना स्थल का दौरा किया और क्षतिग्रस्त सवारी डिब्बों की जांच की। मैंने निम्नानुसार अनुग्रह राशि की घोषणा की है:

मृतकों के मामले में	100000/- रुपए प्रत्येक और एक परिजन को सरकारी नौकरी (चतुर्थ वर्ग की)
गंभीर रूप से घायलों को	15000/- रुपए प्रत्येक
मामूली रूप से घायलों को	5000/- रुपए प्रत्येक

उक्त तत्काल राहत के अलावा रेल दावा प्राधिकरण के द्वारा निर्धारित मृतकों के आश्रितों

को 4 लाख रुपए एवं घायलों को भी प्राधिकरण द्वारा निर्धारित राशि का मुआवजा दिया जाएगा। घायलों का मुफ्त इलाज रेलवे की तरफ से कराया जाएगा एवं इलाज के पश्चात् उन्हें अपने परिजनों के पास रेल के खर्चे पर पहुंचाया जाएगा। घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के आश्रित एवं अपंग हुए प्रत्येक व्यक्ति को रेलवे में रोजगार मुहैया कराया जाएगा। घायलों को उपयुक्त चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी और गंभीर रूप से जले हुए व्यक्तियों का विशेष उपचार करवाया जाएगा।

मुझे ज्ञात हुआ है कि माननीय मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश ने भी मृतकों के परिजनों को एक लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को पचास हजार रुपए एवं घायलों को पच्चीस हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

पुलिस क्लीयरेंस के बाद श्रमजीवी एक्सप्रेस को गंतव्य स्थान के लिए रवाना कर दिया गया है।

रेल यात्रियों की सुरक्षा हेतु रेल गाड़ियों एवं रेल परिसरों में सतर्कता को बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु राज्य सरकारों को भी सुरक्षा अभियान में मजबूती लाने के लिए कहा जा रहा है।

श्री उपसभापति: श्री मूल चंद मीणा, आप क्लैरीफिकेशन पूछना चाहेंगे?

श्री मूल चंद मीणा (राजस्थान): महोदय, यह रेल दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। रेल मंत्री महोदय ने बोगी के अंदर हुए बम विस्फोट की घटना की जांच के लिए रेल संरक्षा आयुक्त को नियुक्त किया है। महोदय, पहले भी कई बार रेल में बम विस्फोट की घटनाएं हुई हैं। कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिन्होंने बहुत पहले बम विस्फोट से ट्रेन को उड़ाया और आज बड़े आदमी बन रहे हैं। इस बात की भी आप जांच करें कि क्या ऐसे लोगों का भी इस में हाथ हो सकता है? आप उनको बुलाकर जांच करें जहां कि रेल दुर्घटना एक प्लानिंग से हुई और ऐसा नहीं कि बम चलाए। इस दुर्घटना के संबंध में मैं जानना चाहूंगा कि बोगी में बम कहां से रखा गया, क्या इस बात की भी सूचना आप के पास है? किस रेलवे स्टेशन से बाथरूम के अंदर यह बम ले जाकर रखा गया? मैं चाहूंगा कि ऐसे लोगों के खिलाफ जो आए दिन रेलों में बम विस्फोट करते रहे हैं, आप कार्यवाही करें।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) Mr. Deputy Chairman, Sir, thank you for giving me this opportunity. Today morning, myself and hon. Member, Shri Kalraj Mishra, raised the issue. I am grateful to the hon. Railway Minister who was kind enough to come with a statement and is now giving details of the explosion that took place in the general compartment of the train-*Shramjeevi Express*. Sir, the larger question that arises today—I made a brief mention and, I think, the hon. Railway

Minister will respond to us—is of the security of the passengers in the train. This has become a very big issue now. Apart from that, the security in the railway stations is also an important issue. Now, the London is the best example for our country where in the tube trains bomb explosions took place. They had surveillance through cameras at railway stations and they have security gadgets also. Therefore, they were able to identify persons who were carrying explosives and track down the culprits in their country. I request the hon. Minister, Railways that for the purpose of giving security cover to passengers, there should be a thorough search of the people who are carrying luggage. I can understand that it is a very difficult task. Even then, security of passengers is the foremost. People come in large numbers; they board the train. We do not know who is the terrorist and who is carrying explosives.

Some kind of mechanism can be worked out. In western countries, sniffer dogs are there. They check the compartments and they go around and identify the explosives wherever they are available. Now, Sir, a bomb blast took place in a train in Punjab. These incidents do take place in several parts of the country. Therefore, I want the hon. Railway Minister to ensure safety of the passengers and also to check whether explosives are carried or not. I would like to know as to what kind of mechanism is being worked out. This has become a necessity. Nowadays, the railway passengers feel insecure when they travel in trains. It is the duty of the Government to provide security to the passengers. These bomb blast in Punjab, Bombay, and the recent bomb blast in the Shramjeevi Express are lessons for us. I would like to know, based upon these incidents, what kind of mechanism is being worked out by the Government to check the passengers luggage in the railway stations and also in compartments where they are travelling. So, these are the clarifications that I would like to seek from the hon. Minister.

श्री उपसभापति: प्रो॰ सैफुद्दीन सोज।

प्रो॰ सैफुद्दीन सोज (जम्मू और कश्मीर): जनाबे आला, मैं लालू जी की मौजूदगी में यहां कुछ कहना चाहता हूं। इन्होंने इस घटना के सिलसिले में जो किया, उसके लिए मैं एक मैम्बर की हैसियत से शुक्रगुजार हूं। जो एक्सिडेंट आम तौर पर होते हैं, उस सिलसिले में आपके माध्यम से मैं एक तजवीज इनको बता रहा हूं। एक्सिडेंट का कंपैरिजन बहुत गलत है। उसमें इंसानी जानें जाती हैं। हम लोग यहां बहुत देर रहे हैं। नीतीश जी के वक्त इतने एक्सिडेंट हो गए थे कि उस वक्त जो आंकड़े पेश किए गए थे, उसके अंदाज से 365 दिन में तकरीबन हर दिन डेढ़ एक्सिडेंट होते

थे। इसलिए हम मुकाबला नहीं करेंगे और इनके जो साथी हैं उन्होंने बताया कि एक्सिडेंट की रेट गिरती जा रही है। लेकिन इसमें एक स्नैग है, मसलन जहां human error है। चाहे गार्ड ने किया या चाहे ड्राईवर की गलती है या चाहे स्टेशन मास्टर की गलती है। मिनिस्टर साहब पहुंचते हैं और एडमिनिस्ट्रेशन आती है और सस्पेंड कोई होता है। इतने लोग मर जाते हैं तो फिर किसी ऑफिसर को सस्पेंड किया जाता है। यह सस्पेंशन अंग्रेजों के वक्त का है। यह बिल्कुल archaic है। किताब से इसको निकाल देना चाहिए। यह एक फिजूल चीज है। मैं जाती तजुर्बे से कहता हूं कि सस्पेंशन होगा, फिर किसी मौके पर 50 परसेंट अलाउंस मिलेगा, फिर किसी मौके पर तनख्वाह का 75 फीसदी मिलेगा, फिर वह कोर्ट में जाएगा, वह जीत कर आएगा और जितने दिनों से वह गैर हाजिर रहा होगा ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: सोज साहब, आप क्लारिफिकेशन पूछिए।

प्रो॰ सैफुद्दीन सोज: सर, मैं इनसे पूछ रहा हूं। मैं इसलिए इनको तजवीज करता हूं कि सस्पेंशन की जरूरत नहीं है। जिसने गलती की है, उसको हटाइए। अगर उसने बहुत जबर्दस्त गलती की है तो उसको तब तक जेल में रखना चाहिए। डिपार्टमेंटल इंक्वायरी हो या कोई इंक्वायरी हो और उसके नतीजे में अगर उसकी गलती साबित होती है तो You throw him out of the office. You dismiss him, terminate the service. Suspension is not a punishment. तो मैं आपके माध्यम से, आपकी वसादत से लालू जी को यह कहना चाहता हूं कि गौर करना चाहिए। हमको बदलना चाहिए। हम लकीर के फकीर हैं। पुराने कानून हैं। 1923 का Official Secrets Act है। अंग्रेजों ने अपने मुल्क में बदल दिया, लेकिन यह अंग्रेजी कानून है, हमने तरमीम भी नहीं की है तो इसलिए मैं अर्ज करता हूं कि हमें लकीर का फकीर नहीं होना चाहिए। लोगों की हिफाजत के लिए कोई इंक्लाब लाना चाहिए। जो कत्ल करता है, इतने लोग मर जाते हैं, उसको आप सस्पेंड करते हैं। इसलिए मैं लालू जी से दख्वास्त करता हूं कि सस्पेंशन का जो कानून है, अक्सर Cabinet Minister has lot of authority. Let him come up with a Bill. Amendment कर लीजिए, A Department inquiry should be completed within a time-frame. There should be provision for dismissal or termination of service or arrest or sending the culprit to jail on the basis of a proper inquiry. So, I seek this clarification.

†[پروفیسر سیف الدین سوز ''جموں وکشمیر'': جناب عالی، میں لالو جی کی موجودگی میں یہاں کچھ کہنا چاہتا ہوں۔ انہوں نے اس گھٹنا کے سلسلے میں جو کیا اس کے لئے میں ایک ممبر کی حیثیت سے شکر گزار ہوں۔ جو ایکسیڈینٹ عام طور پر ہوتے ہیں، اس سلسلے میں آپ کے مادھیم سے میں ایک تجویز ان کو بتا رہا ہوں۔

†[Transliteration in Urdu Script.]

ایکسیڈینٹ کا کمپریزن بہت غلط ہے۔ اس میں انسانی جانیں جاتی ہیں۔ ہم لوگ یہاں بہت دیر رہے ہیں۔ سیش جی کے وقت اتنے ایکسیڈینٹ ہوگئے تھے کہ اس وقت انداز سے ۳۶۵ دن میں، اس وقت جو آنکڑے پیش کیے گئے تھے، ان کے مطابق تقریباً ہر دن ڈیڑھ ایکسیڈینٹ ہوتے تھے۔ اس لئے ہم مقابلہ نہیں کریں گے اور ان کے جو ساتھی ہیں انہوں نے بتایا کہ ایکسیڈینٹ کی ریٹ کرتی جارہی ہے۔ اس میں ایک اسٹیک ہے، مثلاً جہاں ہے، چاہے گارڈ نے کیا یا چاہے ڈرائیور کی غلطی رہے یا چاہے اسٹیشن ماسٹر کی غلطی ہو۔ منسٹر صاحب پہنچتے ہیں اور ایڈمنسٹریشن آتی ہے اور سسپینڈ کوئی ہوتا ہے۔ اتنے لوگ مرجاتے ہیں تو کسی آفیسر کو سسپینڈ کیا جاتا ہے۔ یہ سسپینشن انگریزوں کے وقت کا ہے۔ یہ بالکل آرکائیک ہے۔ کتاب اس کو نکال دینا چاہئے۔ کتاب میں یہ ایک فضول چیز ہے۔ میں ذاتی تجربے سے کہتا ہوں کہ سسپنشن ہوگا۔ پھر کسی موقع پر ۵۰ فیصد الاؤنس ملیگا۔ پھر کسی موقع پر تنخواہ کا ۷۵ فیصدی ملیگا، پھر وہ کورٹ جائے گا، وہ جیت کر آئیگا اور جتنے دنوں سے وہ غیر حاضر رہا ہوگا.... مداخلت....

شری اُپ سبھاپتی : سوز صاحب، آپ کلیر یفکیشن پوچھئے۔

پروفیسر سیف الدین سوز : سر میں ان سے پوچھ رہا ہوں۔ میں اس لئے ان کو تجویز کرتا ہوں کہ سسپنشن کی ضرورت نہیں ہے۔ جس نے غلطی کی ہے اس کو ہٹایئے۔ اگر اس نے بہت زبردست غلطی کی ہے تو اس کو تب تک جیل میں رکھنا چاہئے۔ ڈپارٹمنٹل انکوائری ہو اور اس کے نتیجے میں اگر اس کی غلطی ثابت ہوتی ہے تو میں آپ کے مادھیم سے، آپ کی وساطت سے لالو جی سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ غور کرنا چاہئے۔ ہم کو بدلنا چاہئے۔ ہم لکیر کے فقیر ہیں۔ پرانے قانون ہیں۔ ۱۹۲۳ ہے۔ انگریزوں نے اپنے ملک میں بدل دیا، لیکن یہ انگریزی قانون ہے، ہم نے ترمیم بھی نہیں کی ہے تو اس لئے میں عرض کرتا ہوں کہ ہمیں لکیر کا فقیر نہیں ہونا چاہئے۔ لوگوں کی حفاظت کے لئے کوئی انقلاب لانا چاہئے۔ جو قتل کرتا ہے، اتنے لوگ مرجاتے ہیں اس کو آپ سسپینڈ کرتے ہیں۔ اس لئے میں لالو جی سے درخواست کرتا ہوں کہ سسپنشن کا جو قانون اکثر کیبنیٹ منسٹر، امینڈمنٹ کردیجئے۔

[''ختم شد'']

†[Transliteration in Urdu Script.]

श्री उपसभापति: श्री कलराज मिश्र जी।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी को या विभाग को यह जानकारी थी कि बिहार की तरफ से आने वाली गाड़ियों में किसी-न-किसी रूप में आतंकवादियों के द्वारा विस्फोटक पदार्थ लाए जा रहे हैं। स्वयं मंत्री जी का बयान आया था, जिसको मैंने पढ़ा था। इन्होंने उसमें यह कहा था कि गया से लेकर धनबाद तक रेलों की जांच हुई और उसमें लगभग 20 विस्फोटक पदार्थ पाए गए। उत्तर प्रदेश में जो गाड़ी चल रही है उसमें यहां भी गुप्तचर विभाग के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई थी, जिसे एक समाचार-पत्र के द्वारा बाकायदा सूचित भी किया गया था। संभवत: शासन को भी सूचना मिली होगी कि वाराणसी की तरफ से आने वाली गाड़ी में भी विस्फोटक पदार्थ हैं और वाराणसी सिटी के पास गाड़ियों की जांच हो रही थी, लेकिन उसके बावजूद भी मुख्य-स्टेशन पर, जो वाराणसी छावनी है, उधर जांच न होने के कारण श्रमजीवी एक्सप्रेस आई और जौनपुर और उसके आगे निकल गई, जिसमें यह विस्फोट हुआ, जबरदस्त विस्फोट हुआ। इसके बारे में दोषी कौन है? क्यों इस प्रकार की चूक हो गई? क्या आप यह जानकारी करने की कोशिश करेंगे?

इसके साथ ही, उपसभापति महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि दो-तीन साल पहले जौनपुर में ही इस प्रकार की एक दुर्घटना हुई थी, फिश-प्लेट हटा दी गई थी और उस दुर्घटना में 13 लोग मर गए थे। एक तरह से वह क्षेत्र हो, ऐसा लगता है, किसी न किसी योजना के आधार पर आतंकवादी घटना की गई थी। तो इसके बारे में कोई विशेष जांच की व्यवस्था करते हुए समुचित सुरक्षा प्राप्त हो सके, इस प्रकार का कोई इंतजाम आप करेंगे, तो ज्यादा अच्छा होगा? मैं समझता हूं कि इस बारे में अगर जानकारी प्राप्त हो जाए, तो ज्यादा अच्छा होगा। धन्यवाद।

श्री अबू आसिम आज़मी (उत्तर प्रदेश): डिप्टी चेयरमैन साहब, मुझे अफसोस है और जितनी निंदा की जाए, कम है, यह जो श्रमजीवी एक्सप्रेस में विस्फोट हुआ। जिस डिब्बे में यह विस्फोट हुआ, वह मजदूरों का डिब्बा था। इस पर मैं मंत्री जी से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि इसमें इन्क्वायरी करते वक्त यह ध्यान रखना चाहिए कि कहीं कोई ऐसी बात तो नहीं कि बिहार और उत्तर प्रदेश के इलेक्शन करीब हैं और कुछ पॉलिटिकल पार्टीज इसका बेनिफिट लेने के लिए, मैं बड़े अदब के साथ कहूंगा, कुछ पोलिटिकल पार्टीज इसका बेनिफिट लेने के लिए इस तरह की चीजों में कहीं कोई हाथ तो नहीं बटा रही हैं? पिछले दिनों मुम्बई में भी एक ब्लास्ट हुआ था और ब्लास्ट में जो लोग पकड़े गए, उन पर मुकदमा चला और मुकदमा चलने के बाद सब बेगुनाह छूट गए, लेकिन आज तक जो असली मुजरिम था वह पकड़ा नहीं गया। तो इस ओर बड़ा ध्यान देकर इन्क्वायरी होनी चाहिए।

दूसरा, डिप्टी चेयरमैन साहब, अभी रेलवे में चैकिंग ज्यादा शुरू हो जाएगी। मैं समझता हूं कि होनी भी चाहिए, लेकिन कहीं फिर कोई षडयंत्र रचकर के कुछ लोग किसी एक खास बिरादरी के लोगों के साथ ज्यादती न करने पाएं। यह भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। मैं माननीय मंत्री जी को बधाई दूंगा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी को भी बधाई दूंगा,

कि उन्होंने वहां पर बहुत सारे खाने के पैकेट भेजे, अपनी तरफ से उन्होंने मदद का भी एनाउन्स किया और आज सुबह पैसे देकर भी आ गए। मैं यहां एक बात कहना चाहता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है कि पिछले दिनों वाजपेयी जी मुम्बई गए थे शरद पवार जी के जन्म दिन के अवसर पर, उन्होंने वहां कहा था कि पार्लियामेंट के ऊपर हमला होने की उम्मीद है, एक दिन पहले कहा था और दूसरे दिन देश की पार्लियामेंट पर हमला हो गया। यह इंटेलीजेंस की रिपोर्ट है, देश की पार्लियामेंट पर हमला होने वाला है, वाजपेयी जी ने मुम्बई में बयान दिया और यहां† हमला हो गया। यह कैसे चूक हो रही है? यहां पर भी अभी मिश्र जी कह रहे थे कि पहले से यह खबर थी कि किसी ट्रेन में इस तरह का धमाका होने वाला है। इसलिए हमें अपनी एजेन्सीज को जरा टाइट करना चाहिए, क्योंकि देश में फिर से कुछ लोग इस तरह का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि मंत्री जी इसमें सक्षम हैं, जरूर अच्छा कदम उठाएंगे और देखेंगे कि एक जाति और बिरादरी के साथ नाइंसाफी न बढ़ने पाए। धन्यवाद।

†श्री ابو عاصم اعظمی ''उत्तर प्रदेश'' : डिप्टी चेयरमैन साहब, मुझे अफसोस है और जिसकी निंदा की जाए, कम है, यह जो शर्मनाक जीरो एलेप्सर लेस में डिफीट हुआ, सिर्फ वोट में यह डिफीट हुआ, वह मजदूरों का डिफीट था। इस पर मैं मंत्री जी से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि इस में इंक्वायरी करते वक्त यह ध्यान रखना चाहिए कि कहीं कोई ऐसी बात तो नहीं कि बिहार और उत्तर प्रदेश के इलेक्शन करीब हैं और कुछ पोलिटिकल पार्टी इस का बेनिफिट लेने के लिए, मैं बड़े अदब के साथ कहूंगा, कुछ पोलिटिकल पार्टी इस का बेनिफिट लेने के लिए इस तरह की चीजों में कहीं कोई हाथ तो नहीं बटा रही हैं? पिछले दिनों मुंबई में भी एक ब्लास्ट हुआ था और ब्लास्ट में जो लोग पकड़े गए, उन पर मुकदमा चला और मुकदमा चलने के बाद सब बेगुनाह छोड़ दिए गए, लेकिन आज तक जो असली मुजरिम थे उनको नहीं पकड़ा गया तो इस तरफ बड़ा ध्यान देकर इंक्वायरी होनी चाहिए।

दूसरा, डिप्टी चेयरमैन साहब, आजकल रेलवे में चेकिंग ज्यादा शुरू हो जाती है। मैं समझता हूं कि होनी भी चाहिए, लेकिन कहीं पर कोई शिंडेन्टर रचकर के कुछ लोग किसी एक खास बिरादरी के लोगों के साथ ज्यादती न करने पाएं। यह भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। मैं माननीय मंत्री जी को बधाई दूंगा और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री मुलायम सिंह यादव जी को भी बधाई दूंगा, कि उन्होंने वहां पर बहुत सारे खाने के पैकेट भेजे, अपनी तरफ से उन्होंने मदद का भी एनाउन्स किया और आज सुबह पैसे देकर भी आ गए। मैं यहां एक बात कहना चाहता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है कि पिछले दिनों वाजपेयी जी मुम्बई गए थे शरद पवार जी के जन्म दिन के अवसर पर, उन्होंने वहां कहा था कि पार्लियामेंट के ऊपर हमला होने की उम्मीद है, एक दिन पहले कहा था और दूसरे दिन देश की पार्लियामेंट पर हमला हो गया। यह इंटेलीजेंस की रिपोर्ट है, देश की पार्लियामेंट पर हमला होने वाला है, वाजपेयी जी ने मुम्बई में बयान दिया और यहां† हमला हो गया। यह कैसे चूक हो रही है? यहां पर भी अभी मिश्र जी कह रहे थे कि पहले से यह खबर थी कि किसी ट्रेन में इस तरह का धमाका होने वाला है। इसलिए हमें अपनी एजेन्सीज को जरा टाइट करना चाहिए, क्योंकि देश में फिर से कुछ लोग इस तरह का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि मंत्री जी इसमें सक्षम हैं, जरूर अच्छा कदम उठाएंगे और देखेंगे कि एक जाति और बिरादरी के साथ नाइंसाफी न बढ़ने पाए। धन्यवाद।

†Transliteration in Urdu Script.

پارلیمنٹ پر حملہ ہونے والا ہے، واجپئی جی نے ممبئی میں بیان دیا اور یہاں حملہ ہوگیا۔ یہ کیسے چوک ہو رہی ہے؟ یہاں پر بھی ابھی مشرا جی کہہ رہے تھے کہ پہلے سے یہ خبر تھی کہ کسی ٹرین میں اس طرح کا دھماکا ہونے والا ہے۔ اس لئے ہمیں اپنی ایجنسیز کو ذرا ٹائٹ کرنا چاہئے، کیوں کہ دیش میں پھر سے کچھ لوگ اس طرح کا ماحول پیدا کرنے کی کوشش کر رہے ہیں۔ مجھے امید ہے کہ منتری جی اس میں سکشم ہیں، ضرور اچھا قدم اٹھائیں گے اور دیکھیں گے کہ ایک ذات اور برادری کے ساتھ ناانصافی نہ بڑھنے پائے۔ دھنیواد۔

"ختم شد" †

श्री लालू प्रसादः उपसभापति महोदय, माननीय सदस्यों की चिंता वाजिब है। देश के देशवासी, विशेषकर जो करोड़ों रेलवे यात्री हैं, वे हम पर विश्वास करके अपने बाल-बच्चों के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाते हैं। हमारी प्राथमिकता है और हमने कबूल किया है कि विगत दिनों में जो एक्सीडेंट होते थे, उसमें काफी कमी आई है, हम इसमें नीचे गए हैं, लेकिन हम जस्टीफाई नहीं कर सकते हैं, यह जो घटना कल हुई है।

महोदय, मैं कल पटना में था। मुझे साढ़े पांच बजे मालूम हुआ। मैंने जानकारी ली और साथ ही साथ टेलीविजन पर समाचार के स्टिकर में नीचे देखा कि धनबाद में 22 बम मिले। इस घटना की पूरी जानकारी लेने के बाद मैं एमआर स्पेशल से घटना का मुआयना करने चल दिया। चलती ट्रेन में अपराध और आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए कानून व्यवस्था राज्य सरकार की जिम्मेवारी है और संयुक्त अभियान भी हम चलाते हैं। अभी हमारी एक प्राथमिकता है संरक्षा, रेलवे की सुरक्षा और उसमें हमारी कमी आई है।

लेकिन हम बैठे नहीं है इन चीजों में। कई माननीय सदस्य और बहुत सारे लोग अलग-अलग नज़रिए से बहुत सारे सवाल पूछते हैं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोग पूछते हैं, कोई बोलता है क्या यह आतंकवादी घटना है, कोई कुछ बोलता है, कोई कुछ बोलता है। मैं वह इंसान नहीं हूं, मैं वह व्यक्ति नहीं हूं, जब तक जांच न हो जाए, मैं किसी के बारे में कुछ नहीं कहूंगा। यह चुनौती है हमारे लिए, हमारी रेलवे के लिए, देशवासियों के लिए। एक अनरिज़र्व्ड कोच, नेक्स्ट टू इंजन और ट्रेन ओरिजिनेट होती है राजगीर से, बिहार से और ओरिजिनेट होकर के ट्रेन आई और बिल्कुल मजदूर लोग है, Haves not जिनको कहते हैं, जो अमृतसर जाते हैं, FCI में जाते हैं, दिल्ली जाते हैं, उन सब लोगों से मैं मिला, उनके चेहरों को देखा और जहां घटना घटी है, वह ओवर क्राउडेड जगह थी इंजन के बाद वाले डिब्बे में, मैंने उन लोगों से पूछा कि आप बताएं कि यह कैसे हुआ? लोगों ने कहा कि एकाएक आवाज आई और पूरा अंधेरा छा गया। जितने भी लोग हैं, जो घायल हैं--70 लोग हैं, जिनमें से 9 लोग मरे हैं। अखबार वाले तो अपने-अपने ढंग से लिखते हैं,

†Transliteration in Urdu Script.

कम्पिटिशन रहता है, अलग-अलग फिगर देते रहते हैं। सभी लोगों ने मुझे पहचाना, सब बिहार के लोग थे, 99 प्रतिशत लोग बिहार के थे, गरीब लोग थे। लोगों ने कहा कि आवाज आई और बिल्कुल अंधेरा हो गया और भगदड़ मच गई। मैंने उस कोच में जाकर देखा, रात से भोर हो गई। जौनपुर से, अस्पताल से, जो 9 लोग मरे हैं, उनमें से एक ही महिला चिन्हित हुई है, बाकी 8 आदमियों की पहचान नहीं हुई है। मैंने कहा कि इन्हें बर्फ की सिलि पर रेस्पेक्ट के साथ रखिए और मरे हुए लोगों में हर तरह से देखना है, यह जरूर ध्यान में रखिए–सैक्स का, और चीजों का, कौन लोग हैं, टिकट है या नहीं है, किस स्टेशन से टिकट लेकर चढ़े थे वगैरह, ताकि हम कमिशनर सेफ्टी, पुलिस, राज्य सरकार और इंटेलिजेंस को इन्वाल्व करके जो फरदर जांच कराने वाले हैं, जो परीक्षण कराने वाले हैं, उसमें हम इन चीजों का इस्तेमाल कर सकें ताकि उसमें दूध का दुध और पानी का पानी सामने आए। महोदय, ऐसी घटनाएं विगत वर्षों में भी हुई हैं। 2002 में रेलवे में 6 बम की घटनाएं हुई थीं, जिनमें 3 लोग मरे थे और 50 आदमी घायल हुए थे। 2003 में भी रेलवे में 3 घटनाएं हुई थीं, जिनमें 11 आदमी मरे थे और 68 आदमी घायल हुए थे। 2004 में 1 घटना हुई थी, जिसमें कोई मरा नहीं था, 9 लोग घायल हुए थे और 2005 में मैंने देखा है कि 9 आदमी मरे और 61 आदमी घायल हुए हैं। उसी समय वाराणसी, राज्य सरकार, पुलिस और वहां की जनता ने, जहां गोमती के पास यह घटना घटी, बहुत मदद की। मैंने ग्रामीणों के विषय में जानकारी ली तो पता चला कि प्राइवेट जीप से, गांव की जीप से लोगों ने, गांव के लोगों ने बहुत मदद की। फिर हमारे लोग गए, प्रशासन के लोग गए और जौनपुर में उस स्थल को भी हमने देखा, लोगों से बातें की। महोदय, यह हम लोगों के लिए चुनौती है और इसमें हम बेवजह, केवल शक और संदेह के आधार पर किसी को जिम्मेदारी देकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं। हमारा काम है, हमारा धर्म है, हमारी डयूटी है कि हम रेलवे के पैसेंजर्स की सुरक्षा का ध्यान रखें। हालांकि लंदन जैसी डेवलपड् सिटी में भी पिछले दिनों बम-ब्लास्ट की घटना हुई। हमारा राष्ट्र काफी सतर्क है। महोदय, अगर हम लगेज को चैक करते हैं तो हमें यह ध्यान रखना होगा कि हमारा देश अमेरिका या इंग्लैंड नहीं है। अगर हम पूरी इजाजत दे दें कि सबकी मोटरी, झोला या अटैची खोलकर देखो तो थप्पड़ खाना पड़ेगा। फिर एक और बात है कि करोड़ों लोग आते-जाते हैं, कई स्टेशंस हैं, 100 किलोमीटर के बाद रेल से उतरना है। फिर भी हमारा तंत्र है, हम उद्घोषित करते हैं, हम एनाउंस करते हैं कि लावारिस बैग को मत छुएं, मोटरी को मत छुएं। हमारा अपना श्वान दस्ता है। राज्य सरकार और हमारा रेलवे प्रोटेक्शन, सुरक्षा दस्ता है, इनका ज्वाईट अभियान भी हम चलाते हैं। माननीय सदस्य कलराज जी ने इस ट्रेन के मामले में कहा कि वाराणसी में अंदेशा था, चैकिंग की बात हो रही थी, शायद वह सच नहीं है।

मैंने भी अखबारों में उस गाड़ी के बारे में पढ़ा है। उसका जो धनबाद जाने वाला रूट है, उसमें पुलिस और इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के बाद हमको जानकारी मिली और हमने डिटेक्ट किया।

उस सूटकेस से बम निकला, बम की रिकवरी हुई और चार आदमी गिरफ्तार किये गये है। हम लोग सतत् अभियान, एक कम्पेन के रूप में चला रहे हैं और इसको एक चुनौती के रूप में हम लेते हैं, मानते हैं। हम लोग कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगे, चाहे कोई भी कलप्रिट हो, चाहे जो भी इस में इन्वाल्व हो, उनको बख्शा नहीं जायेगा। फरदर इस प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना न हो, इसके लिए भी हम कदम उठायेंगे। जैसा माननीय सदस्यों ने कहा है कि इंटेलिजेंस है, राज्यों का इंटेलिजेंस है--जो डिवाइस था, वह बड़ा खतरनाक था, अगर डिब्बे को देखेंगे, तो डिब्बे में आग नहीं लगी, लेकिन वह इतना तहस-नहस हुआ है, इतनी ज्यादा बर्बादी हुई है, यह खास प्लान से हुआ है। आम पैसेंजर्स बैठे हैं, पैर लटका कर बैठे हैं, आधा पैर कटा हुआ डिब्बे में मिला है, सीट के नीचे जो स्पेस होता है, सामान रखने का--वहां पर। हम जब रेल निकालते हैं, जब रेल को आगे बढ़ाते हैं, तो प्रत्येक रेल की जांच कर लेते हैं। हमारी रेल के डिब्बों में, सीटों के नीचे, जहां वाशिंग पिट है, वहां से निकालते हैं।

महोदय, मान लिया कि कोई गया और दूसरे स्टेशन पर उसको कुछ ले जाना है, कोई और अपराध करना है। कोई पिछले स्टेशन पर बैठा, बैठकर वहां रखा और चला गया। सारी संभावनाओं से, हर पहलू को ध्यान में रखते हुए हम माननीय सदस्यों को और सदन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि आपकी और हमारी सबकी एक जिम्मेवारी है, हम अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करते हैं। हम लोगों को गांरटी दें कि निश्चित रूप से जो कलप्रिट होंगे, उनको हम दंडित करेंगे। हमारे जो पैसेंजर भाई और बहन हैं, जो इंफ्रास्ट्रक्चर है, भारत का जो नेटवर्क है, वह बहुत व्यापक है। पुलिस को भी हम इतनी ज्यादा छूट नहीं दे सकते हैं कि इसकी आड़ में जाकर वह किसी को ह्रास करे, टॉर्चर करे, किसी की अटैची खोले, लेकिन हां, जब हम संरक्षा पर खर्चा करने जा रहे हैं, तो मुख्य स्टेशनों पर, जहां मुख्य गाड़ियां आती जाती हैं, वहां पर पुलिस के हाथों में हम निश्चित तौर पर जो मेटल डिटेक्टर होता है, जो डिवाइस विदाउट ओपन किये हुए को डिटेक्ट करता है, किसी के लगेज को--उनको कांफीडेंस में लेकर के हम ऐसी चीजों को आगे बढ़ायेंगे। हम लोग निराशावादी लोग नहीं हैं। इस तरह के कृत्यों में भाग लेने वाले लोगों को हम निश्चित तौर पर दंडित करेंगे।

महोदय, इस देश में कई तरह के तत्व काम कर रहे हैं--डकैत से लेकर के Extremists हैं या टेरेरिस्ट हैं--इन लोगों का क्या परपज़ है? लेकिन बिना जांच कराये हुए, बिना कोई तहकीकात किये हुए, हम यह नहीं कह सकते हैं कि अमुक आदमी का हाथ इसमें हो सकता है? हम हेतु-हेतु में बात नहीं करते हैं, इसलिए जांच हो जाये। जांच में जो भी दोषी होगा, उसको बख्शा नहीं जायेगा। हम लोग एलर्ट हैं और हम निश्चित रूप से सख्त कार्यवाही करेंगे--हम आपको इस संबंध में आश्वस्त करना चाहते हैं।